

प्रभात खबर

कोर्ट/क्राइम

रेलवे में फर्जी बहाली से जुड़े हैं अपहरण के तार

प्रभात खबर टोली ■ मुजफ्फरपुर/कांटी

कोल्हुआ से अपहरण की सूचना के बाद पुलिस के वरीय अधिकारियों को लगा कि फिरौती के लिए किसी का अपहरण कर लिया गया है. डिक्की से बरामद बाइक के कागजात के आधार पर पुलिस यह जानने में जुटी थी कि हथौड़ी थाना क्षेत्र के मनकी निवासी कपिलदेव शर्मा का ही अपहरण हुआ है या उसकी बाइक से कोई और आया था. पुलिस ने उसकी बाइक से रेलवे में ग्रुप डी बहाली के कई कागजात भी बरामद किया था, लेकिन पानापुर ओपी क्षेत्र में अपहर्ताओं के पकड़े जाने के बाद पूछताछ में जो कहानी सामने आयी, उससे इस अपहरण कांड के तार रेलवे में ग्रुप डी के पद पर फर्जी बहाली से जुड़े हैं. दरअसल पूछताछ के दौरान हरियाणा के रहने वाले कथित अपहर्ताओं ने बताया कि कपिलदेव शर्मा को वे लोग सुनील सिंह के नाम से जानते थे. बॉलीवॉल का राज्य स्तर का खिलाड़ी नरेश ने पुलिस को बताया कि पटना में खेलने के दौरान उसका परिचय कपिल उर्फ सुनील से हुआ था. इसने ग्रुप डी में बहाली करा देने के नाम पर उसके परिचितों से करीब 48 लाख रुपये की ठगी की है, लेकिन किसी की नौकरी नहीं लगा पाया. वे लोग अपने पैसे लेने आये थे. उसने पुलिस को बताया कि हिसार के संदीप, रवींद्र, सुनील, आजाद सिंह, नसीब सिंह जैसे दर्जनों युवकों से ठगी की है. उसने हमलोगों को फर्जी नियुक्ति पत्र के साथ परिचय पत्र भी दे रखा है. पूछताछ के बाद पुलिस ने कपिलदेव के गांव में छापेमारी भी की, जहां से काफी संख्या में फर्जी कागजात मिले हैं.

19 जनवरी के अंक में छपी थी खबर

कूड़े में रेलवे भरती के कागजात!

गिरफ्तार युवक व पुलिस के कब्जे में सफारी गाड़ी. फोटो । प्रभात खबर

खबड़ा में फेंके मिले थे रेलवे बहाली के कागजात

मुजफ्फरपुर : सदर थाना क्षेत्र के खबड़ा स्थित नहर के पास 18 जनवरी को ग्रुप डी बहाली के काफी संख्या में फर्जी कागजात फेंका हुआ मिला था. जिसमें आरआरबी रांची, इलाहाबाद, दानापुर व मुजफ्फरपुर बोर्ड के एडमिट कार्ड मिले थे, जिस पर सात अंकों का ही रॉल नंबर अंकित था. इसके अलावा भारी संख्या में नियुक्ति पत्र व फोटो लगा रजिस्टर भी बरामद किया गया था. लेकिन इस मामले में पुलिस कोई भी सुराग नहीं लगा पायी थी. वही कपिलदेव से पूछताछ के बाद रेलवे में फर्जी बहाली का मामला सामने आने के बाद पुलिस खबड़ा में मिले कागजात से भी मामले का जोड़ कर देख रही है. प्रभारी एसएसपी विवेक कुमार का कहना है कि रेलवे में फर्जी बहाली मामले की गहराई से जांच की जा रही है. जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की जायेगी.

कोलकाता से भी जुड़ा तार

पूछताछ के दौरान कपिलदेव ने पुलिस को बताया कि मनोज मिश्रा नाम के आदमी के कहने पर वह लोगों से नौकरी देने के नाम पर पैसे लेता था.

यहीं नहीं, कपिलदेव ने सुनील के नाम से दानापुर मंडल में चीफ इंस्ट्रक्टर के नाम से फर्जी पहचान पत्र भी बनवा रखा है, जिसे पुलिस ने बरामद भी किया है. रेलवे में नौकरी लगाने का झांसा देने के लिए एक फर्जी वेबसाइट भी है, जिसका संचालन कोलकाता से किया जा रहा है. वहीं अपहरण कांड के पीछे रेलवे में बहाली का फर्जी नेटवर्क सामने आने के बाद पूरे मामले की गहराई से छानबीन की जा रही है. बताया जाता है कि पुलिस के वरीय अधिकारियों से विचार विमर्श के बाद इस मामले में भी प्राथमिकी दर्ज की जायेगी.

डीजीपी कर रहे थे मॉनीटरिंग

दिनदहाड़े अपहरण की सूचना फ्लैश होने के बाद खुद डीजीपी अभयानंद एक-एक पल की रिपोर्ट ले रहे थे. एक घंटे के अंदर बरामदगी के बाद उन्होंने नगर डीएसपी को 24 घंटे के अंदर चार्जशीट करने का भी निर्देश दिया है. वही प्रभारी एसएसपी विवेक कुमार ने बताया कि एक घंटे के अंदर अपहृत को बरामद में शामिल सभी पुलिस कर्मी को पुरस्कृत किया जायेगा.

राहुल की दिलेरी से पकड़े गये अपहर्ता

मुजफ्फरपुर : नहीं सर, हमको तो केवल गाड़ी का नंबर पता था. मैंने देखा कि ओवरब्रिज पर उजले रंग की एमएच06एएन 1414 सफारी गाड़ी चार-पांच लोग धक्का दे रहे हैं. पानापुर ओपी के प्रशिक्षु दारोगा सतीश को फोन पर सूचना दी. सूचना मिलते ही सतीश अपने सहयोगी दारोगा राम उदेश्य प्रसाद के साथ वहां पहुंच गये. पुलिस को देखते ही अपहर्ता भागने लगे. सतीश ने नरेश को पकड़ने का प्रयास किया तो उसने सतीश को पटक कर भागने लगा. इसी दारोगा को लगा कि हाथ आये अपहरणकर्ता भाग रहे हैं तो उसने दो राउंड हवाई फायरिंग कर उन्हें रूकने के लिए कहा. उनमें से तीन को स्थानीय लोगों के सहयोग से पकड़ लिया गया, लेकिन अन्य तीन भागने में सफल रहे. लेकिन आधे घंटे के मशक्कत के बाद साइन गांव से दो अन्य को भी पुलिस ने दबोच लिया. वही एक अन्य बिन्टू को साइन चौर से दो घंटे के बाद दबोचा जा सका. दरअसल कोल्हुआ चौक से दिनदहाड़े अपहरण की सूचना फैलने के बाद पूरे पुलिस महकमे में सनसनी फैल गयी थी. पुलिस के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सभी थानाध्यक्षों को अपने क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था. वायरलेस पर अपहरणकर्ता के मोतिहारी की तरफ भागने का मैसेज मिलते ही कांटी थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने पानापुर ओपी में तैनात प्रशिक्षु दारोगा सतीश कुमार को अलर्ट रहने को कहा था. इसी बीच थाने के सटे पंप हाउस में ऑपरेटर का काम करने वाले राहुल मिश्रा ने भी मैसेज सुना कि अपहरणकर्ता उजले रंग की बड़ी गाड़ी एमएच06एएन 1414 से फरार हुआ है. गायघाट के जारंग बेरुआ गांव निवासी राहुल थाने के ही एक स्टाफ का पान लाने गया था. लेकिन उसकी दिलेरी, चतुराई और बुद्धि से सभी अपहरणकर्ता पकड़े गये.

ए. कुमार के नाम से रजिस्टर्ड है वेबसाइट

कांटी : रेलवे में बहाली के लिए जिस वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. आइआरआरबीके. ओआरजी का उपयोग किया जाता है, उस बेबसाइट का डोमेन एकुमार के नाम से रजिस्टर्ड है. इस डोमेन के लिए संस्था का नाम एकुमार और पता कोलकाता पश्चिम बंगाल पीन 700006 दूरभाष संख्या +9165434321 और इमेल आइडी एकुमारजीमेल डाट काम है. इस बेबसाइट में एडमीन और टेक्निकल निबंधन भी एकुमार के नाम से है और पता भी एक समान है. इस बेबसाइट के पेज को ब्लु वोडा से बनाया गया है. इस साइट में मुख्य पृष्ठ में कई विकल्प है लेकिन खुलता केवल नौकरी, पोस्टिंग और डाउनलोडिंग का पृष्ठ है.

प्रभात खबर Satkhabar.com

कोर्ट | क्राइम

रेलवे में फर्जी बहाली से जुड़े हैं

अपहरण के तार

हर टोली मुजफ्फरपुर / कांटी

कोल्हुआ से अपहरण की सूचना के बाद पुलिस के वरीय अधिकारियों को लगा के के लिए किसी का अपहरण कर लिया गया है. डिक्की से बरामद बाइक के कागजात के आधार पर पुलिस बनने में जुटी थी कि हथौड़ी थाना क्षेत्र के मनकी निवासी कपिलदेव शर्मा काही अपहरण हुआ है या उसकी बाइक से कोई और आया था. पुलिस ने उसकी बाइक से रेलवे में ग्रुप डी बहाली के कई कागजात भी बरामद किया था, लेकिन पानापुर ओपी क्षेत्र में अपहर्ताओं के पकड़े जाने के बाद पूछताछ में जो कहानी सामने आयी, उससे इस उपहरण कांड के तार रेलवे में ग्रुप डी के द पर फर्जी बहाली से जुड़े हैं. दरअसल पूछताछ के दौरान हरियाणा के रहने वाले कथित अपहर्ताओं ने बताया कि कपिलदेव शर्मा को वे लोग सुनील सिंह के नाम से जानते थे. बॉलीवॉल का राज्य स्तर का खिलाड़ी नरेश ने पुलिस को बताया कि पटना में खेलने के दौरान उसका परिचय कपिल उर्फ सुनील से हुआ था. इसने ग्रुप डी में बहाली करा देने के नाम पर उसके परिचितों से करीब 48 लाख रुपये की ठगी की है, लेकिन किसी की नौकरी नहीं लगा पाया. वे लोग अपने पैसे लेने आये थे. उसने

"

19 जनवरी के अंक में छपी थी खबर

गिरफ्तार युवक व पुलिस के कब्जे में सफारी गाड़ी.

कूड़े में रेलवे भरती के कागजात !

wwww

m

HOGAN EDIL

खबड़ा में फेंके मिले थे रेलवे बहाली के कागजात

• फोटो। प्रभात खबर

मुजफ्फरपुर : सदर थाना क्षेत्र के खबड़ा स्थित नहर के पास 18 जनवरी को ग्रुप डी बहाली के काफी संख्या में फर्जी कागजात फेंका हुआ मिला था. जिसमें आरआरबी रांची, इलाहाबाद, दानापुर व मुजफ्फरपुर बोर्ड के एडमिट कार्ड मिले थे, जिस पर सात अंकों का ही रॉल नंबर अंकित था. इसके अलावा भारी संख्या में नियुक्ति पत्र व फोटो लगा रजिस्टर भी बरामद किया गया था. लेकिन इस मामले में पुलिस कोई भी सुराग नहीं लगा पायी थी. वही कपिलदेव से पूछताछ के बाद रेलवे में फर्जी बहाली का मामला सामने आने के बाद पुलिस खबड़ा में मिले कागजात से भी मामले का जोड़ कर देख रही है. प्रभारी एसएसपी विवेक कुमार का कहना है कि रेलवे में फर्जी बहाली मामले की गहराई से जांच की जा रही है. जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज की जायेगी..

कोलकाता से भी जुड़ा तार पूछताछ के दौरान कपिलदेव ने पुलिस

झांसा देने के लिए एक फर्जी वेवसाइट भी है, जिसका संचालन कोलकाता से दिनदहाड़े अपहरण

की सूचना फ्लैश होने डीजीपी कर रहे थे मॉनीटरिंग

राहुल की दिलेरी से पकड़े गये अपहर्ता

मुजफ्फरपुर : नहीं सर, हमको तो केवल गाड़ी का नंबर पता था. मैंने देखा कि ओवरब्रिज पर उजले रंग की एमएच06एएन 1414 सफारी गाड़ी चार-पांच लोग धक्का दे रहे हैं. पानापुर ओपी के प्रशिक्षु दारोगा सतीश को फोन पर सूचना दी. सूचना मिलते ही सतीश अपने सहयोगी दारोगा राम उदेश्य प्रसाद के साथ वहां पहुंच गये. पुलिस को देखते ही अपहर्ता भागने लगे. सतीश ने नरेश को पकड़ने का प्रयास किया तो उसने सतीश को पटक कर भागने लगा. इसी दारोगा को लगा कि हाथ आये अपहरणकर्ता भाग रहे हैं तो उसने दो राउंड हवाई फायरिंग कर उन्हें रूकने के लिए कहा. उनमें से तीन को स्थानीय लोगों के सहयोग से पकड़ लिया गया, लेकिन अन्य तीन भागने में सफल रहे. लेकिन आधे घंटे के मशक्कत के बाद साइन गांव से दो अन्य को भी पुलिस ने दबोच लिया. वही एक अन्य बिन्टू को साइन चौर से दो घंटे के बाद दबोचा जा सका. दरअसल कोल्हुआ चौक से दिनदहाड़े अपहरण की सूचना फैलने के बाद पूरे पुलिस महकमे में सनसनी फैल गयी थी. पुलिस के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सभी थानाध्यक्षों को अपने क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था. वायरलेस पर अपहरणकर्ता के मोतिहारी की तरफ भागने का मैसेज मिलते ही कांटी थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने पानापुर ओपी में तैनात प्रशिक्षु दारोगा सतीश कुमार को अलर्ट रहने को कहा था. इसी बीच थाने के सटे पंप हाउस में ऑपरेटर का काम करने वाले राहुल मिश्रा ने भी मैसेज सुना कि अपहरणकर्ता उजले रंग की बड़ी गाड़ी एमएच06एएन 1414 से फरार हुआ है. गायघाट के जारंग बेरुआ गांव •निवासी राहुल थाने के ही एक स्टाफ का पान लाने गया था. लेकिन उसकी दिलेरी, चतुराई और बुद्धि से सभी अपहरणकर्ता पकड़े गये.

ए. कुमार के नाम से रजिस्टर्ड है वेबसाइट पुलिस को बताया कि हिसार के संदीप, को बताया कि मनोज मिश्रा नाम के किया जा रहा है. वहीं अपहरण कांड के बाद खुद डीजीपी अभयानंद एक-एक कांटी : रेलवे में बहाली के लिए जिस वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. रवींद्र, सुनील, आजाद सिंह, नसीब आदमी के कहने पर वह लोगों से नौकरी के पीछे रेलवे में बहाली का फर्जी पल की रिपोर्ट ले रहे थे. एक घंटे के अंदर आइआरआरबीके. ओआरजी का उपयोग किया जाता है, उस बेबसाइट का डोमेन

सिंह जैसे दर्जनों युवकों से ठगी की है. उसने हमलोगों को फर्जी नियुक्ति पत्र के साथ परिचय पत्र भी दे रखा है. पूछताछ

देने के नाम पर पैसे लेता था.

नाम से दानापुर मंडल में चीफ इंस्ट्रक्टर यही नहीं, कपिलदेव ने सुनील के

नेटवर्क सामने आने के बाद पूरे मामले बताया जाता है कि पुलिस के वरीय की गहराई से छानबीन की जा रही है.

बरामदगी के बाद उन्होंने नगर डीएसपी भी निर्देश दिया है. वही प्रभारी एसएसपी को 24 घंटे के अं उन्होंने नगर करने का

एकुमार के नाम से रजिस्टर्ड है. इस डोमेन के लिए संस्था का नाम एकुमार और पता कोलकाता पश्चिम बंगाल पीन 700006 दूरभाष संख्या +9165434321 और इमेल आइडी एकुमारजीमेल डाट काम है. इस बेबसाइट में एडमीन और

छापेमारी भी की, जहां से काफी संख्या रखा है, जिसे पुलिस ने बरामद भी इस मामले में भी प्राथमिकी दर्ज की अंदर अपहृत को बरामद में शामिल सभी बेबसाइट के पेज को ब्लु वोडा से बनाया गया है. इस साइट में मुख्य पृष्ट में कई के बाद पुलिस ने कपिलदेव के गांव में के नाम से फर्जी पहचान पत्र भी बनवा अधिकारियों से विचार विमर्श के बाद विवेक कुमार ने बताया कि एक घंटे के टेक्निकल निबंधन भी एकुमार के नाम से है और पता भी एक समान है. इस

फर्जी कागजात मिले हैं.

किया है. रेलवे में नौकरी लगाने का जायेगी.

पुलिस कर्मी को परस्कृत किया जायेगा.

विकल्प है लेकिन खुलता केवल नौकरी, पोस्टिंग और डाउनलोडिंग का पृष्ठ है.

पु

दस

मुजफ्फ

के दौरा

पदार्थ के

लाख

अरुण

व चार

था. उ

करीब

गयी.

दर्ज

प

मुज

के ब

क्षेत्र

में

कुम दड वह

को

उस

सा